वर्ष -2022

# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

| परीक्षा का विषय | विषय कोड | | | परीक्षा का माध्यम |
|---|---|---|---|---|
| HINDI | 4 | 0 | 1 | ENGLISH |

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

| 1 | 2 | 3 | 2 | 3 | 5 | 9 | 8 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

शब्दों में

| [illegible] | Two | Three | Two | Three | Five | Nine | Eight | Eight |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

BOARDOFSECONDARYEDUCATION

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

| उदाहरणार्थ | 1 | 1 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | एक | एक | दो | चार | तीन | नौ | पाँच | छः | आठ |

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में 01 शब्दों में one

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग – परीक्षा की दिनांक 18 02 22

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाई स्कूल परीक्षा C.No.-321048

| पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर | केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर |
|---|---|
| सरला सिंह [signature] | [signature] |

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

| उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा |
|---|---|
| Smt. Rashmi Tiwari V.N.-4933 | BHAVANA THAKUR V.N.-7909 |

नोट :– "हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें →

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंको में) |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |

कुल प्राप्तांक शब्दों में [illegible]

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 1 का उत्तर

अ.) iii.) सूरदास

ब.) iv.) धोखा

स.) iii.) शोक

iii.) प्रशासनिक अधिकारी द्वारा

ई) iv.) बहुव्रीहि

ई) i.) तारकेश्वरनाथ

प्रश्न क्र० 2 का उत्तर

अ.) संस्कृति - भदंत आनंद कौसल्यायन

.) कन्यादान - ऋतुराज

.) मैं क्यों लिखता हूँ - अज्ञेय

द.) अधिक बोलने वाला - वाचाल

इ.) प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ - चौपाई छंद

ई.) नाच न जाने आँगन टेढ़ा - लोकोक्ति

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ 3 का उत्तर

अ.) सत्य

ब.) असत्य

स.) सत्य

द.) सत्य

इ.) सत्य

ई.) असत्य

प्रश्न क्र॰ 4 का उत्तर

अ.) बसंत शरद

ब.) इन्दौर

स.) बेल्जियम

द.) भानपुरा

इ.) कमलेश्वर

ई.) छह

उ.) चार

MPBSE

प्रश्न क्र.

## प्रश्न क्र॰ 5 का उत्तर

अ) भगवान शंकर का धनुष 'श्री राम' ने तोड़ा था।

ब) कवि के अनुसार 'बसंत ऋतु' की आभा 'अट' नहीं रही है।

स) उपमा अलंकार के चार (4) अंग होते हैं। (उपमेय, उपमान, साधारण धर्म, वाचक)

द) "खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी" में 'वीर' रस है।

इ) जो शब्द सबसे कम समझ में आते हैं और जिनका प्रयोग सबसे अधिक होता है, उन्हें 'सभ्यता तथा संस्कृति' कहते हैं।

ई) जापान के हिरोशिमा में 'अणु (एटम)' बम्ब गिराया गया था।

उ) भाव वाच्य।

P
B
S
E

प्रश्न क्र.

## प्रश्न क्र॰ 6 का उत्तर (अथवा)

भक्तिकालीन काव्य की दो विशेषताएँ निम्न हैं :

1) भक्तिभावना की प्रधानता : समूचे भक्तिकालीन काव्य में भक्ति भावना की प्रधानता दिखाई देती है। यह भावना मोक्ष प्राप्ति के एकमात्र साधन के रूप में उभरकर आई है।

2) भक्तिकालीन काव्य में गुरु का विशेष महत्व बताया गया है।

3) इसकी कविताओं में भावपक्ष एवं कला पक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है।

## प्रश्न क्र॰ 7 का उत्तर (अथवा)

लक्ष्मण ने जो वीर योद्धा की विशेषताएँ बताई हैं, वो निम्न हैं :

वीर पुरुष कभी अपनी वीरता का बखान नहीं करते अपितु वीरतापूर्ण कार्य ही वीरों का बखान करते हैं।

2) वीर पुरुष कभी भी दूसरों के प्रति गलत शब्दों का प्रयोग नहीं करते हैं, अतः वे दूसरों का सदैव सम्मान करते हैं।

MPBSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

## प्रश्न क्र॰ 9 का उत्तर

| | महाकाव्य | खण्डकाव्य |
|---|---|---|
| 1) | महाकाव्य में किसी महापुरुष के जीवन का समग्र चित्रण या जाता है। | खण्डकाव्य में किसी व्यक्ति के जीवन की एक घटना का वर्णन किया जाता है। |
| 2) | महाकाव्य में आठ या उससे अधिक सर्ग होते हैं तथा पात्र अधिक होते हैं। | खण्डकाव्य में एक सर्ग होता है, तथा पात्र कम होते हैं। |
| | उदा॰ कामायनी (जयशंकर प्रसाद) | पंचवटी (मैथिलीशरण गुप्त) |

## प्रश्न क्र॰ 8 का उत्तर

तुलसीदास :

दो रचनाएँ - रामचरितमानस, विनय पत्रिका।

ii) काव्यगत विशेषताएँ : तुलसीदास जी के आराध्य श्री राम हैं उनकी भक्ति भावना श्री राम के चरणों में समर्पित है
इनका काव्य सामाजिक समरता, समन्वय एवं लोकमंगल की भावना से परिपूर्ण है

MPBSE

प्रश्न क्र.

भाषा तथा छंद के विषय में आपने समन्वयवादी प्रवृत्ति का परिचय दिया है। आपने रूपका, उपमा उत्प्रेक्षा अलंकार तथा दोहा, चौपाई छंद का स्वाभाविक रूप से प्रयोग किया है। आप सामाजिक शांति के पक्षधार थे।

प्रश्न क्र॰ 10 का उत्तर

अनुप्रास अलंकार : जिस काव्य रचना में व्यंजन वर्णों की एक से अधिक बार आवृत्ति होती है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

उदा॰

1) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।

2) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं, जल थल में।

मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

## प्रश्न क्र॰ 11 का उत्तर

| | नाटक | एकांकी |
|---|---|---|
| 1) | नाटक में कई तत्व अंक होते हैं | एकांकी में केवल एक ही अंक होता है |
| | नाटक की कथावस्तु में विस्तार एवं फैलाव होता है इसमें पात्र अधिक होते हैं | एकांकी की कथावस्तु में घनत्व होता है इसमें पात्र कम होते हैं। |
| | उदा॰ चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद) | (रामकुमार वर्मा) दीपदान |

MPBSE

## प्रश्न क्रॅं 12 का उत्तर (अथवा)

भगत की पुत्र वधू उन्हें अकेला छोड़कर इसलिए नहीं जाना चाहती थी क्योंकि भगत के एकमात्र बेटे की मृत्यु के बाद वह ही उनके बुढ़ापे का एक मात्र-सहारा थी उसे यह चिन्ता थी कि अगर वह कहीं चली जाएगी, तो भगत को खाना कौन देगा तथा उनके बीमार होने पर उनकी देखभाल कौन करेगा।

PRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ 13 का उत्तर (अथवा)

i रामवृक्ष बेनीपुरी :

(i) दो रचनाएँ : पतितों के देश में (उपन्यास)
अंबपाली (नाटक)

(ii) भाषा - शैली

महावीर प्रसाद द्विवेदी :

(i) दो रचनाएँ : रसज्ञ , साहित्य - सीकर
सुमन

(ii) भाषा - शैली : द्विवेदी जी भाषा एंव व्याकरण के मर्मज्ञ थे इनकी भाषा परिष्कृत , परिमार्जित , सरल , सहज तथा व्याकरण सम्मत है उसमें व्यकराणि व्याकरणादि गलतियाँ नहीं हैं। द्विवेदी जी ने अपनी शैली खुद से ही गढ़ी है। आपकी प्र द्वारा कुछ शैलियाँ निम्न हैं :

1) आलोचनात्मक शैली
2) गणेषणात्मक गवेषणात्मक शैली
3) वर्णनात्मक शैली
4) व्यंगात्मक शैली आदि।

M P B S E

M P B S

प्रश्न क्र॰ 14 का उत्तर

क्षण में हँसना क्षण में रोना बच्चों का स्वाभाव होता है बाल प्रवृत्ति होती है कि वे मनपसंद चीजों की ओर जल्दी आकर्षित होते हैं भोलानाथ भी बच्चों की स्वाभाविक रुचि के साथ अपने उम्र के बच्चों के साथ खेलने में आनन्द आते थे। वे अपनी मित्र-मंडली को खेलता देख अपने-आप को रोक नहीं पाते थे तथा इसी मग्नावस्था में वे सिसकना भूल जाते थे।

प्रश्न क्र॰ 15 का उत्तर (अथवा)

(i) प्रतिदिन - प्रत्येक दिन - अव्ययीभाव समास

(ii) राजपुत्र - राजा का पुत्र - तत्पुरुष समास

प्रश्न क्र॰ 16 का उत्तर

अतिशयोक्ति अलंकार : जिस काव्य रचना में मानव की मर्यादाओं को पार करके किसी वस्तु या व्यक्ति का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाता है, वहाँ अतिशयोक्ति अलंकार होता है।

प्रश्न क्र.

उदारण :

1.) हनुमान की पूँछ में लगन पाई आगि।
लंका सारी जरि गयी, गये निशाचर भाग॥

यहाँ पर, हनुमान जी की पूँछ में आग लगने से पहले लंका के जलने का वर्णन है। अतः यहाँ अतिश्योक्ति अलंकार है।

2.) पड़ी अचानक नदी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस बार, तब तक चेतक था उस पार॥

---

प्रश्न क्र॰ 17 का उत्तर (अथवा)

वाच्य : वाच्य का शाब्दिक अर्थ है "बोलने का विषय"। क्रिया के जिस रूप से हमें यह पता चले वाक्य में क्रिया का प्रयोग कर्ता के अनुसार है, कर्म के अनुसार है अथवा भाव के अनुसार है; उसे वाच्य कहते हैं।

* वाच्य के मुख्यतः तीन प्रकार होते हैं:

1.) कर्तृ वाच्य
2.) कर्म वाच्य
3.) भाव वाच्य

प्रश्न क्र.

1) कर्तृ वाच्य : वाक्य के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में कर्ता की प्रधानता है, अर्थात वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के लिंग, वचन, कारक कर्ता के अनुसार हैं, वहाँ कर्तृ वाच्य होता है।
उदा॰ वह रोता जा रहा है।

2) कर्म वाच्य : वाक्य के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में कर्म की प्रधानता है अर्थात वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के लिंग, वचन, कारक कर्म के अनुसार हैं, वहाँ कर्म वाच्य होता है।
उदा॰ उसके द्वारा रोया जाया जा रहा है।

3) भाव वाच्य : जिस वाक्य में भाव की प्रधानता रहती है, वहाँ भाव वाच्य होता है।
उदा॰ राम से रोया नहीं जाता।

प्रश्न क्र॰ 18 का उत्तर

(i) "सामाजिक समरसता"

(ii) सामाजिक जीवन के अन्तर्विरोधों को समाप्त करने का लक्ष्य ही सामाजिक समरसता का आधार है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

(iii) व्यक्ति की शक्तियाँ अपने जीवन की ~~विभिन्न~~ दिशाओं ~~को~~ की संवेदना में बनकर एक हृदय स्पंदित हों, पारस्परिक सहयोग और समन्वय के साथ सहानुभूति होना ही सामाजिक समरसता के लिए अनिवार्य सत्य है।

## प्रश्न क्र॰ 19 का उत्तर

(i) कोविड -19

रोगी तथा डा॰ का संवाद निम्नलिखित है:

**रोगी** : डा॰ साहब ! यह कोविड-19 बीमारी क्या है ? इसका प्रारंभ कैसा हुआ।

**डा॰** : कोविड -19 एक घातक बीमारी है जो कि अब पूरे विश्व में फैल चुकी है। इसका प्रथम केस चीन के वुहान प्रान्त में मिला था।

**रोगी** : डा॰ साहब ! इसके प्रमुख लक्षण कौन कौन से हैं ?

**डा॰** : इसके प्रमुख लक्षण सर्दी, जुकाम, बुखार, साँस लेने में तकलीफ आदि हैं

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

रोगी : डा॰ साहब ! इस बीमारी से बचने के कुछ उपाय बताइये। यह तो घातक बीमारी है।

डा॰ : इस बीमारी से बचने के लिए सबसे सस्ता तथा आसान उपाय हमेशा मास्क लगाकर रहना, सैनेटाइजर का नियमित उपयोग करना, भीड़ वाली जगह में जाने से बचना, दो गज की दूरी में रहना।

रोगी : इससे बचने के लिए क्या कोई वैक्सीन भी है?

डा॰ : बिल्कुल अब भारत में कोविशील्ड तथा कोवैक्सीन का टीका आ गया है। उसको लगवाने से कोविड- 19 से बचा जा सकता है।

रोगी : तब तो डा॰ साहब हमारा देश इस घातक बीमारी से जल्द मुक्त हो जायगा।

डा॰ : हाँ बिल्कुल।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

## प्रश्न क्र० 22 का उत्तर

सेवा में,

श्रीमान जिलाधीश महोदय
दमोह, मध्यप्रदेश

विषय : लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध लगाने हेतु।

मान्यवर,

सविनय विनम्र निवेदन है कि मैं कक्षा 10 का छात्र हूँ। इस समय बोर्ड परीक्षाएँ चल रही हैं। सभी छात्र अपनी परीक्षा की तैयारी में लगे हुए हैं। परन्तु आजकल दिनभर लाउडस्पीकर बजते रहते हैं। आये दिन शहर में वैवाहिक उत्सव मनाये जा रहे हैं। जिसकारण से हमारी पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। हम पढ़ाई में केंद्रित नहीं हो पा रहे हैं।

अस्तु श्रीमान जी से निवेदन है कि लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध लगाकर हम छात्रों पर महान कृपा करें।

धन्यवाद !

प्रार्थी

दिनांक : 18/02/22

क.ख.ग.

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 20 का उत्तर

पद्य: माँ ने _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ मत देना।

सन्दर्भ: प्रस्तुत पद्यांश हमारी पठित पाठ्य पुस्तक हिन्दी क्षितिज-2 के पाठ कन्यादान नामक शीर्षक से अवतरित है। इसके रचयिता कवि ऋतुराज जी हैं।

प्रसंग: इसमें कवि ने बताया है, माँ अपनी बेटी को परम्परागत आदर्शों से हटकर रहने की शिक्षा देती है।

व्याख्या: कवि ~~ऋतुरा~~ ऋतुराज जी कहते हैं कि माँ अपनी बेटी को समझाते हुए कहती है कि तुम कभी अपने शरीर की सुन्दरता तथा कोमलता पर कभी मुग्ध (रीझ) मत होना। क्योंकि आग रोटियों को सेंकने के लिए होती है, लड़कियों को जलाने के लिए नहीं अर्थात् तुम कभी अत्याचार को सहन मत करना।

जिस प्रकार मनुष्य शब्द भ्रम के बंधन में बंधा रहता है, उसी प्रकार स्त्री का जीवन भी कपड़ों तथा गहनों में बंधा रहता है अतः तुम इनसे दूर ही रहना।

MPBSE

प्रश्न क्र.

पुनः माँ बेटी को समझाते हुए कहती है कि तुम सामान्य लड़कियों के गुण मृदुभाषी, कोमलता आदि गुणों को धारण करना परन्तु सामान्य लड़की की तरह अत्याचार सहते हुए कभी मत नजर आना।

काव्य सौन्दर्य:
1.) माँ ने बेटी को पुरानी परिपाटी से हटकर रहने की सीख दी है।
2.) उपमा अलंकार।
3.) करुण रस।
4.) सरल, सहज, प्रसंगानुकूल भाषा।

प्रश्न क्र॰ 21 का उत्तर

गद्य: नाटकों _ _ _ _ _ _ _ होने का।

सन्दर्भ: प्रस्तुत गद्यांश हमारी पठित पाठ्य पुस्तक हिन्दी क्षितिज-2 के पाठ 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी' नामक शीर्षक से अवतरित है। इसके लेखक 'महावीर प्रसाद द्विवेदी जी' है।

प्रसंग: इसमें लेखक ने यह बताया है कि स्त्रियों का प्राकृत भाषा में बोलना उनके अपढ़ होने का संकेत नहीं है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

व्याख्या : स्त्री शिक्षा पर विचार करते हुए लेखक महावीर प्रसाद द्विवेदी जी कहते हैं कि प्राचीन नाटकों में जो नाटकारों ने स्त्रियों को प्राकृत भाषा में बातें कराई हैं, वह उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं है। लेखक कहते हैं, हो सकता है, उस समय प्राकृत भाषा ही सर्व साधारण रही हो। वे कहते हैं कि अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है कि वे संस्कृत नहीं बोल नहीं सकती थी। संस्कृत न बोल पाना उनके अपढ़ तथा अशिक्षित होने का प्रमाण नहीं है।

विशेष :

1.) विचारात्मक शैली का प्रयोग।
2.) तत्सम - तद्भव शब्दों की प्रधानता।
3.) सरल - सहज व्याकरण सम्मत साहित्यिक भाषा का प्रयोग।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ 23 का उत्तर

ब) विज्ञान : वरदान भी अभिशाप भी

रूपरेखा :

1.) प्रस्तावना
2.) विज्ञान के चमत्कार
3.) विज्ञान के बढ़ते चरण
(i.) स्वास्थ्य में
(ii.) शिक्षा में
(iii.) मनोरंजन में
(iv.) यातायात में
4.) विज्ञान से हानि
5.) उपसंहार

प्रस्तावना : आधुनिक युग वैज्ञानिक युग वैज्ञानिक युग है। विज्ञान ने इस युग में अनेक आविष्कार किये हैं, जिन्होने हमारे जीवन को सरह सरल तथा सुखमय बना दिया है। आज जल, थल, नभ आदि जगहों पर विज्ञान की पताका लहरा रही है। हर वस्तु जिसे हम सुबह से शाम तक अपने उपयोग में लाते हैं, वह सब विज्ञान की ही देन है। किसी भी वस्तु या व्यक्ति का क्रमबद्ध अध्ययन विज्ञान कहलाता है।

सावधान मनुष्य को विज्ञान का उपहार
है सुवासित से चतुर्दिक संसार ॥

प्रश्न क्र.

विसानै के चमत्कार : सूचना, ईंधन, कम्प्यूटर आदि उपकरण विसान ने हमें दिये हैं जिन्होने हमारे जीवन को सरल तथा सम्पन्न बना दिया है। बिजली द्वारा संचालित पंखे, कूलर आदि उपलब्ध हैं। अब तो बिजली से झाड़ू लगाना, कपड़े धोना आदि सम्भव हो गया है। सूचना क्रांति ने समस्त संसार को मुट्ठी में कर लिया है। कम्प्यूटर ने मानव मस्तिष्क के कार्यभार को संभाल लिया है।

विसान के बढ़ते चरण :

1) स्वास्थ्य में : शल्य तथा चिकित्सा विसान आज इतना विकसित हो गया है कि एक्स॰ रे॰ मशीन के माध्यम जटिल से जटिल रोगों का पता लगाया जा सकता है। परखनली से बच्चे को जन्म देकर विसान जन्मदाता बन गया है।

2) मनोरंजन में : मनुष्य को थक जाने के बाद मनोरंजन की आवश्यकता होती है। आज हमारे पास टी॰ वी॰, रेडियो, मोबाईल आदि साधन हैं जो हमें हर पल मनोरंजन करने के लिए तैयार रहते हैं।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय -2022

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का दिनांक 18 02 22

| परीक्षा का विषय | विषय कोड | | | परीक्षा का माध्यम |
|---|---|---|---|---|
| HINDI | 4 | 0 | 1 | ENGLISH |

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 121 – 1333601

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 1 2 3 2 3 5 9 8 8

शब्दों में: One Two Three Two ...

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा C.No.-321048

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ............ तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] =

प्रश्न क्र.

यातायात में: विज्ञान ने मनुष्य जीवन की दूरियों को नजदीकियों बदल दिया है आज हम हेलीकाप्टर, ट्रक, बस, से जल्दी किसी जगह पर पहुँच सकते हैं।

विज्ञान से हानि: हालाँकि विज्ञान ने हमें बहुत सुख-सुविधाएँ प्रदान की हैं परन्तु एक विशालकाय दानव की तरह विज्ञान मनुष्य को मौत की नींद सुलाने के लिए आतुर है एटम बम्बों, अनेक हथियारों की खोज ने मानव के जीवन को खतरे में डाल दिया है कारखानों से निकलने वाला धुआँ वातावरण को प्रदूषित कर रहा है मोबाइल फोन, टी०वी० आदि के अधिक प्रयोग से आँखें खराब हो रही हैं।

MPBSE

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

उपसंहार : विज्ञान ने हमें दोनों प्रकार की वस्तुएँ प्रदान की हैं। संरचनात्मक तथा विनाशात्मक। समाज के अध्यापकों, अच्छे विचार वाले, राजनेताओं का यह धर्म है कि वे इसके कल्याणकारी पक्ष को बढ़ावा दें। यदि हम वैज्ञानिक वस्तुओं का सही प्रयोग करेंगे तो यह हमारे लिए लाभदायक होगा परन्तु यदि हमने थोड़ा गलत प्रयोग किया तो यह हमारे लिए बहुत घातक होगा।

MPBSE